हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 12 देहरादून, बुधवार, 28 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

बाजपुर चीनी मिल के मुद्दे पर नेता विपक्ष यशपाल आर्य का हल्लाबोल धरना

3

देश के प्रथम एरोमा पार्क की स्थापना प्रदेश के लिए गौरव की बात : सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने किया एरोमा पार्क काशीपुर का भूमि पूजन कर प्लाटों का किया आवंटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को काशीपुर में एरामा पार्क का भमिपूजन कर प्लाटों का अवंटन किया। उन्होंने कहा कि आज कैप, सेलाकुई, सुगन्ध व्यापार संघ, दिल्ली तथा एशेंसियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया नोएडा एवं सिडकुल द्वारा देश के प्रथम एरोमा पार्क की स्थापना उत्तराखण्ड में की जा रही है यह हमारे लिये गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है, जिसमें एरोमैटिक सेक्टर के विकास हेतु प्रदेश स्तर पर हमारी सरकार द्वारा एक विशिष्ट एवं समर्पित संस्थान सगन्ध पौधा केन्द्र (कैप) की स्थापना की गयी है, जिसे सगन्ध फार्मिंग द्वारा राज्य की आर्थिकी बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत दो दशकों में राज्य सरकार द्वारा कैंप के माध्यम से प्रदेश में एरोमैटिक सेक्टर का काफी विकास किया गया है, जिसके माध्यम से प्रदेश में चौबीस हजार से भी अधिक किसान एरोमैटिक फार्मिंग से जुड़े है। प्रदेश में सरकार द्वारा एरोमैटिक सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए सगन्ध फॉर्मिंग के कलस्टर विकसित किये गये हैं। वर्तमान में प्रदेश में 109 एरोमा कलस्टरों में सगन्ध फॉर्मिंग की जा रही है, जिसके अन्तर्गत 192 आसवन सयंत्र स्थापित किए गए हैं। सगन्ध फॉर्मिंग के बढ़ते क्षेत्रफल से वर्तमान में एरोमा सेक्टर का टर्नओवर 86 करोड़ से अधिक हो गया है, जबकि वर्ष 2002 में एरोमा सेक्टर का टर्नओवर लगभग 2 करोड़ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में एरोमैटिक सेक्टर के विकास तथा यहां उत्पादित सगन्ध तेलों की अच्छी गुणवत्ता को देखते हुए सगन्ध व्यापार संघ एवं इशेंस्यल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ई0ओ0ए0आई0), दिल्ली द्वारा प्रदेश में एरोमा पार्क बनाने का प्रस्ताव उत्तराखण्ड सरकार को दिया गया था। जिसे हमारी सरकार द्वारा सहर्ष स्वीकार करते हुए एरोमा पार्क पॉलिसी 2018 लागू की गयी, जिसके अन्तर्गत एरोमा तथा परफ्यूमरी से सम्बन्धित 46 उद्योग सिडकुल काशीपुर में स्थापित किए जा रहे है, जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 दिसम्बर 2021 को किया गया था। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य में एरोमा पार्क में स्थापित होने वाले उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में कच्चा माल उपलब्ध कराने के दृष्टिगत सगन्ध फसलों की 6 एरोमा वैली विकसित करने का निर्णय लिया गया है। जिसमे डेमस्क रोज वैली जनपद चमोली एवं अल्मोड़ा, तिमूर वैली- पिथौरागढ़ सिनामॉन वैली चम्पावत एवं नैनीताल, लेमनग्रास एवं मिन्ट वैली- हरिद्वार, मिन्ट वैली - ऊधमसिंह नगर तथा लैमनग्रास लैमनग्रास एवं मिन्ट वैली हरिद्वार, मिन्ट वैली ऊधमसिंह नगर तथा लैमनग्रास वैली- पौड़ी 14000 है0 क्षेत्रफल में विकसित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इन उद्योगों द्वारा उत्तराखण्ड के सगन्ध काश्तकारों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ- साथ हमारी सरकार द्वारा विकसित हो रही एरोमा वैलियों के विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जायेगा। स्थापित सगन्ध उद्योगों की मांग के अनुसार नई फसलों की खेती द्वारा भी राज्य के किसानों को खेती के नये विकल्प मिलेगें, जिससे निश्चित ही उनकी आजीविका में और अधिक सुधार होगा। वर्तमान में एरोमा पार्क में एरोमा तथा परफ्यूमरी उद्योग लगाये जायेंगे, जिसमें लगभग 300 करोड़ का निवेश होगा तथा हजारों रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। बताया गया है कि अभी तक 24 प्लॉटों का आवंटन किया जा चुका है, जिनको आज पजेशन पत्र दिया जा रहा है। एरोमा पार्क में स्थापित होने वाले सगन्ध उद्योगों को राज्य सरकार द्वारा जो प्रोत्साहन दिये जा रहे है, इससे इस सेक्टर से जुड़े अन्य उद्योगपति भी एरोमा पार्क की ओर आकर्षित होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देशन में आर्थिकी और पर्यावरण के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए राज्य की परिस्थितियों के अनुरूप विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके लिए जहां एक ओर हम ऐसे उद्योगों और फसलों को बढ़ावा दे रहे हैं जिनको पहाड़ी क्षेत्रों में आसानी से लगाया जा सकता है वहीं दूसरी ओर हम ऐसी तकनीकें विकसित करने पर ध्यान दे रहे हैं जिससे हमारे किसानों की आय दुगनी हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एरोमा पार्क बंजर पड़ी तीन लाख से अधिक कृषि भूमि में सगन्ध फसलों जैसे दालचीनी, तिमूर व सुरई आदि के बगीचे स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा जिससे जहां एक ओर सगन्ध पौध उत्पादन में वृद्धि होगी वहीं दूसरी ओर किसानों को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को हर क्षेत्र में देश का एक श्रेष्ठ राज्य बनाने के हमारे 'विकल्प रहित संकल्प' के अनुरूप 2030 तक लगभग 21 हजार हैक्टेयर भूमि को सगन्ध फसलों से आच्छादित करने की योजना को साकार करने में यह उत्कृष्टता केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इसके साथ ही यह केंद्र हमारी 1 डिस्ट्रिक 2 प्रोडक्ट की पॉलिसी को विस्तार देने में भी कारगर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एरोमा पार्क की स्थापना से सगन्ध फसलों के उत्पादन में तेजी से वृद्धि होगी तथा इन फसलों का राज्य में तीव्र विस्तार होगा। प्रदेश में पर्यटन एवं हॉर्टिकल्चर के साथ हार्टी टूरिज्म को बढावा देने के प्रयासों को भी इससे मदद मिलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भटट, विधायक श्री त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर सुश्री उषा चौधरी, सचिव श्री दीपेन्द्र कुमार चौधरी, एम.डी. सिडकुल श्री रोहित मीणा के साथ ही विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

1 जुलाई से बदल जाएंगे ये 5 नियम आपकी जेब पर भी होगा असर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जून , 1 जुलाई 2023 से कई नियमों में बदलाव होने वाला है, जो आपकी जेब पर सीधा असर डाल सकते हैं। बैंक, ट्रैफिक, टैक्स व्यवस्था के अलावा कानून से संबंधित कुछ मामलों में नए नियम 1 जुलाई 2023 से लागू होने वाले हैं, यहां हम आपको इन नए नियमों के बारे में जानकारी दी रहे हैं -

1 जुलाई से महंगे होंगे जूते चप्पल

देश में अब घटिया क्वालिटी के फुटवेयर नहीं बिकेंगे। 1 जुलाई 2023 से भारत में घटिया क्वालिटी के जूते-चप्पलों के निर्माण और उनकी बिक्री पर भी रोक लग जाएगा। विश्व व्यापार संगठन के नियमों का पालन करते हुए केंद्र सरकार ने फुटवियर यूनिट्स को क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (QCO) लागू करने का आदेश दिया है। क्यूसीओ (QCO) के दायरे में 27 फुटवियर प्रोडक्ट्स को शामिल किया गया है।

1 जुलाई 2023 से लगेगा 20 फीसदी टीसीएस

विदेश यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आपको इस TCS संबंधी नए नियम को जरूर समझना चाहिए। यदि आप घरेलू ट्रैवल एजेंटों या ऑनलाइन पोर्टल के जरिए विदेश टूर बुक करेंगे तो ऐसे में आपको TCS की भारी राशि का भुगतान करना पड़ सकता है। वहीं यदि आप अंतरराष्ट्रीय वेबसाइटों द्वारा प्रस्तावित टूर पैकेज लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान करते हैं तो भुगतान 7 लाख रुपए की सीमा के भीतर होने कोई टीसीएस नहीं होगा।

1 जुलाई 2023 से मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक सामान के दाम कम सकते हैं। दरअसल कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों व उनके कलपुर्जों की कीमत करीब काफी कम हो गए हैं। सेमी-कंडक्टर और कैमरा मॉडल सहित सभी स्मार्टफोन कलपुर्जों की कीमत घटने के कारण मोबाइल, टीवी, फ्रिज आदि की कीमत घट सकती है।हर माह की तरह 1 जुलाई को सरकारी तेल कंपनियां रसोई गैस की कीमतों में बदलाव कर सकती है। 1 जून को LPG गैस सिलेंडर बेचने वाली पेट्रोलियम कंपनियों ने एलपीजी के रेट बदले थे। अब एक बार फिर रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

उत्तराखंड के पूर्णागिरि धाम में शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक एंट्री बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत 28 जून : मानसून ने उत्तराखंड में दस्तक दे दी। इसी के साथ प्रदेशभर में भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। खराब मौसम को देखते हुए केदारनाथ धाम की यात्रा फिलहाल रोक दी गई है। कुमाऊं में भी भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए चंपावत के पूर्णागिरि धाम में शाम सात से सुबह छह बजे के बीच श्रद्धालुओं की एंट्री बंद कर दी गई है। पूर्णागिरि मंदिर समिति अध्यक्ष किशन तिवारी ने समस्त पुजारी व व्यापारियों ने आग्रह किया है कि किसी भी श्रद्धालु को शाम सात से सुबह 6 बजे के बीच पूर्णागिरि धाम नहीं भेजें। धर्मशाला संचालकों से भी यही अपील की गई है। मंदिर समिति व मेला प्रशासन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। वर्षाकाल के दौरान रात्रि आठ बजे बाद ककराली गेट से वाहनों को पूर्णागिरि मार्ग पर जाने की अनुमति नहीं होगी। दिन के समय जब बाटनागाड़ व किरौड़ा नाला ऊफान पर होंगे, तब भी यात्रियों को मार्ग पर आगे-जाने की अनुमति नहीं होगी। बरसात में खतरे को देखते हुए रात्रि के समय यात्रियों को रामबेड़ा से ऊपर नहीं आने दिया जाएगा। श्रद्धालुओं से भी सहयोग की अपील की गई है। टनकपुर में शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद यहां राफ्टिंग सेवा बंद कर दी गई है। यहां सितंबर माह तक राफ्टिंग संबंधी गतिविधियां नहीं होंगी। टनकपुर-घाट राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बरसात के दौरान रात में आवाजाही के लिए बंद रखा जाएगा। पहले इस मार्ग को एक जुलाई से बंद करने पर विचार चल रहा था, लेकिन क्योंकि क्षेत्र में लगातार भारी बारिश हो रही है, इसलिए एनएच को समय से पहले बंद किया जा सकता है।

अव्वल दर्जे का कंजूस थे भारत के पहले अरबपति, पढ़िए किस्से निज़ाम साब के

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जून , आप देश के बड़े-बड़े अरबपति उद्योगपति के बारे में जरूर जानते होंगे, लेकिन क्या आपको आजाद भारत के पहले अरबपति के बारे में कुछ पता है? आखिर कौन था यह रईस शख्स, जो महंगे हीरे को पेपरवेट की तरह इस्तेमाल करता थे, लेकिन कंजूस भी अव्वल दर्जे के थे और अपने आसपास साफ-सफाई नहीं रखते थे. आज हम आपको इस शख्सियत के बारे में सब कुछ बताएंगे. स्वतंत्र भारत का पहला अरबपति होने का खिताब हैदराबाद के निजाम मीर ओसमान अली खान के पास था. टाइम पत्रिका ने अपने 22 फ़रवरी, 1937 के अंक में उन्हें अपने मुखपृष्ठ पर छापते हुए शीर्षक दिया था "दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति." ओसमान अली के पास बेशुमार दौलत थी. आज भी इंग्लैंड के एक बैंक में निजाम के 3 अरब से ज्यादा रुपये जमा हैं.

अमीरी के साथ ही उनकी कंजूसी के चर्चे भी खूब होते हैं. वो बहुत साधारण कपड़े पहनते थे. काफी मैले-कुचैले रहते थे. उनके बेडरूम की साल में केवल एक बार सफाई होती थी. मेहमानों को खाना खिलाने में भी वो बहुत कंजूसी करते थे. उनसे मिलने आने वाले मेहमानों को एक कप चाय के साथ बस एक ही बिस्किट परोसा जाता था. दीवान जर्मनी दास ने भी अपनी मशहूर किताब 'महाराजा' में लिखा है, "निज़ाम को उनके जानने वाले अमेरिकी, ब्रिटिश या तुर्क सिगरेट पीने के लिए ऑफर करते थे, तो वो एक के बजाए सिगरेट के पैकेट से चार-पाँच सिगरेट निकाल कर अपने सिगरेट केस में रख लिया करते थे. वो सस्ती चारमीनार सिगरेट पीया करते थे जिसके पैकेट की कीमत उस जमाने में 12 पैसे हुआ करती थी."

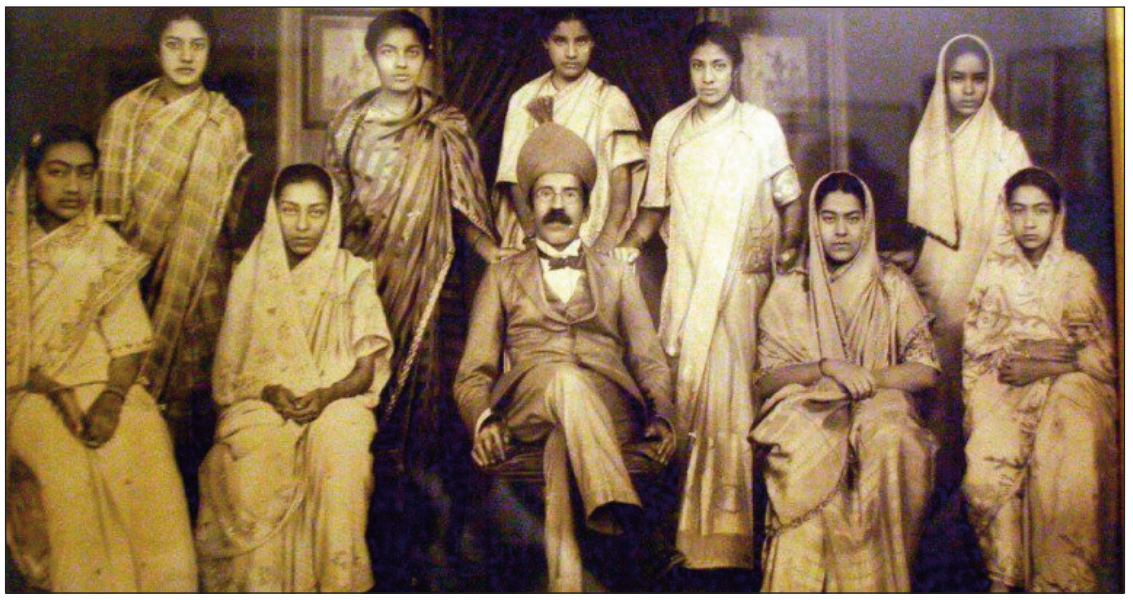

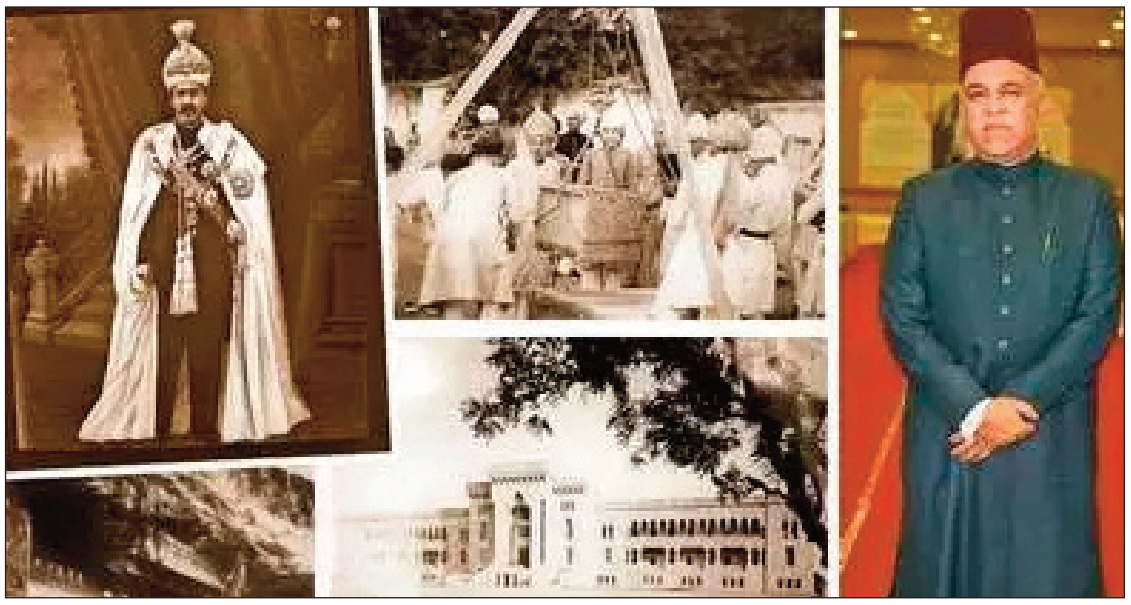

इतनी थी नेट वर्थ

साल 1911 में ओसमान अली खान हैदराबाद के निजाम बने थे. देश जब आजाद हुआ और हैदराबाद को भारत में मिला लिया गया तब तक वे इस पद पर रहे. निजाम की कुल नेट वर्थ 230 बिलियन डॉलर यानी 17.47 लाख करोड़ (Nizam Mir Osman Ali Khan Net worth) मानी जाती है. निजाम की कुल संपत्ति 1947 में अमेरिका की कुल जीडीपी की 2 फीसदी के बराबर बैठती थी. निजाम की अपनी करेंसी और एयरलाइन थी. उनके पास 100 मिलियन पाउंड का सोना, 400 मिलियन पाउंड के जवाहरात थे. क्वीन एलिजाबेथ-2 की शादी में निजाम ने उन्हें 300 हीरे जड़ा एक नेकलेस उपहार में दिया था.

हीरे की खदान आय का बड़ा जरिया

निजाम की आमदनी का सबसे बड़ा जरिया गोलकोंडा माइंस थी. उस समय यह खदान दुनिया में हीरा सप्लाई का एकमात्र जरिया थी. निजाम के पास जैकब डायमंड था जो उस समय दुनिया के सात सबसे महंगे हीरो में गिना जाता था. नींबू के आकार के इस हीरे का प्रयोग अक्सर निजाम पेपरवेट के रूप में करते थे. हैदराबाद रियासत का कुल क्षेत्रफल 80,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक था. यह इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के कुल इलाके से भी ज़्यादा है. उन्हें टैक्स आदि के रूप में भी खूब पैसा मिलता था.

आज भी बैंकों में जमा है अरबों रुपये

निजाम मीर ओसमान अली खान ने विदेशी बैंकों में अपना खूब पैसा जमा किया था. इंग्लैंड के एक बैंक में उनके 35 मिलियन पाउंड यानी 3 अरब से ज्यादा रुपये जमा हैं. इस रकम पर पाकिस्तान और भारत दोनों दावेदारी का केस लड़ रहे हैं और निजाम के खानदान से जुड़े 400 लोगों ने भी दावा ठोक रखा है. कहा जाता है कि इसके अलावा भी कई और विदेशी बैंकों में निजाम का पैसा फंसा हुआ है.

रसीला आम लंगड़ा क्यों कहलाता है ? दिलचस्प है जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 जून , आपके फ्रिज और किचेन में आजकल आम की कई वेरायटी खुशबु और स्वाद बिखरती होगी ,खाने के बाद या नाश्ते में मैंगो शेक और कटे आम लज़्ज़त भी बढ़ा रहे होंगे लेकिन जिस आम की हम बात कर रहे ख़ास है। चौसा , कलमी , दसहरी की तरह एक किस्म है लंगड़ा आम की जिसकी मांग बाजार में हमेशा बनी रहती है. स्वाद के साथ-साथ ऐसी कई अन्य खूबियां हैं जिस वजह से लोग इसे खाना पसंद करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं लंगड़ा आम लंगड़ा क्यों कहलाता है ? नहीं जानते हैं तो पढ़ लीजिये ये खबर -

क्यों कहते हैं इसे लंगड़ा आम ?

लंगड़ा आम की कहानी भी गजब है उल्टा सीधा टेढ़ा न होक ये आम लंगड़ा ही क्यों है ? हो सकता है ये सवाल आया हो लेकिन जवाब न मालूम हो , तो इसको जानने से पहले यह जानना बहुत जरूरी है कि इसके पीछे कहानी क्या है। तो चलिए जिज्ञासा शांत करते हुए बताये कि दरअसल किस्सा यूँ है कि बनारस के एक साधु ने एक पुजारी को आम के पेड़ों की देखभाल की जिम्मेदारी दी थी. वह पुजारी विकलांग था. सभी लोग उसे 'लंगड़ा पुजारी' के नाम से जानते थे. इसलिए आम की इस किस्म का नाम 'लंगड़ा आम' पड़ गया. आज भी इसे लंगड़ा आम या बनारसी लंगड़ा आम कहा जाता है.

क्या है लंगड़ा आम का इतिहास ?

लंगड़ा आम का इतिहास करीब 300 साल पुराना है. अपने बेहद रसीले स्वाद के कारण यह आम भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर है. इसका उत्पादन उत्तर प्रदेश के बनारस में शुरू हुआ था. बनारस के शिव मंदिर में आए एक साधु ने लंगड़ा आम का पेड़ लगाया था. साधु ने इस पेड़ की देखभाल की जिम्मेदारी पुजारी को दी थी. साधु ने पुजारी से कहा कि जब पौधा पेड़ बन जाए और फल देने लगे तो उसका पहला फल भगवान शिव को अर्पित कर देना और भक्तों में प्रसाद बांट देना. पुजारी ने ठीक वैसा ही किया. भक्तों ने जब जब प्रसाद खाया तो वे इस आम के दीवाने हो गए.

भारत में हर साल लगभग लाखों टन लंगड़ा आम का उत्पादन होता है.

लंगड़ा आम की खेती मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश में होती है. वहीं, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में भी इसका उत्पादन हो रहा है. इसके वृक्षों पर फल बहुतायत से लगते हैं लेकिन ये अनियमित रूप से आते हैं. इसका फल पकने के बाद भी हरा रहता है. गुदा हल्के पीले रंग का और बहुत रसदार और स्वाद में मीठा होता है. इसकी गुठली पतली और चौड़ी होती है. इसकी कीमत की बात करें तो यह 80 से 100 रुपये किलो बिक रहा है.

बाजपुर चीनी मिल के मुद्दे पर नेता विपक्ष यशपाल आर्य का हल्लाबोल धरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बाजपुर , 28 जून , उत्तराखंड के नेता विपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक यशपाल आर्य ने सैकड़ों किसानों और समर्थकों के साथ बाजपुर चीनी मिल के मुद्दे पर हल्लाबोल धरना प्रदर्शन किया है। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि बाजपुर चीनी मिल सन 1959 में देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा इस की स्थापना करी गई।हजारों लाखों परिवारों को हमारी बाजपुर चीनी मिल, एक माँ के रूप में हम सभी का ख्याल रखते आई है.

ऐसे में मौजूदा सरकार और भाजपा की नीयत यही से प्रकाशित होती है कि खुद तो कभी कुछ नहीं बनाया और 70 सालों से देश के अंदर बनी हुई सारी सरकारी धरोहरो को अपने चंद पूंजीपतियों के निजी हाथों में दे रहीं हैं, और उसी का एक रूप हमारी बाजपुर चीनी मिल का होने जा रहा है। उन्होंने ललकारते हुए कहा कि बस याद रखो जो ये कह रहे होंगे कि निजी हाथों में चीनी मिल उचित है तो वे कृपया कर के गदरपुरु और काशीपुर चीनी मिल का हाल देख लेना, खण्डहर बन चुकी हैं वो चीनी मिलें, किसानों का करोड़ों रुपया लेकर भाग गई है कंपनी, पूर्व मंत्री आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और वो खुद इस मामले में ढिलाई नहीं देंगे और लोगों के हक़ और रोजीरोटी की सुरक्षा के लिए सड़क पर आक्रामक संघर्ष करते रहेंगे।

न्यूयॉर्क के स्कूलों में अब होगी दिवाली की छुट्टी, मेयर ने की घोषणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जून , अमेरिका के न्यूयॉर्क के स्कूलों में अब दिवाली पर भी छुट्टी होगी। यहां के प्रशासन ने दिवाली को स्कूलों की सार्वजनिक अवकाश की सूची में शामिल कर लिया है।मेयर एरिक एडम्स ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि शहर में दक्षिण एशियाई और भारतीय कैरेबियन समुदाय की संख्या को देखते हुए यह फैसला लिया गया।बताया जा रहा है कि इस साल छात्रों को दिवाली पर छुट्टी नहीं मिलेगी क्योंकि 2023-2024 का स्कूल कैलेंडर पहले तय हो चुका है।

न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने लड़ी लड़ाई

रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने शहर में दिवाली की छुट्टी कराने की लड़ाई का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशियाई समुदाय द्वारा दो दशकों से अधिक की लड़ाई के बाद उन्हें यह जीत दिलाने पर गर्व है। बता दें कि गवर्नर कैथी होचुल द्वारा स्कूलों में दिवाली को सार्वजनिक अवकाश बनाने से संबंधित विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद नई छुट्टी आधिकारिक हो जाएगी। इस साल दिवाली रविवार 12 नवंबर को है।

मुख्य सचिव ने की प्रदेश के सभी जनपदों के जिलाधिकारियों संग वीसी माध्यम से 30 बिंदुओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने मंगलवार को सचिवालय में प्रदेश के सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 30 बिंदुओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव द्वारा पूर्व में सभी जिलाधिकारियों को 30 बिन्दुओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने हेतु सूची भेजी गयी थी, जिनको प्राथमिकता पर कार्य करने हेतु सुझाव अथवा आने वाली समस्याओं और उनके निराकरण पर सुझाव मांगे थे। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इन पर कार्य शुरू किया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि इन 30 बिन्दुओं की मॉनिटरिंग पोर्टल आधारित होगी। अच्छा प्रदर्शन करने वाले जनपदों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यों के सरलीकरण पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि यह 30 बिन्दु राज्य की प्राथमिकता हैं। इनके लिए अगले एक सप्ताह में पोर्टल तैयार कर लिया जाएगा। इन कार्यों का पोर्टल आधारित अनुश्रवण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपदों को ही अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। जनपद अपने लक्ष्य अपनी आवश्यकता के अनुसार निर्धारित करेंगे। इन कार्यों को पूर्ण करने हेतु कैलेण्डर भी तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारियों द्वारा अपने अन्य प्राथमिकता पर आधारित कार्यों को भी इसमें जोड़ा जा सकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि बहुत से कार्य पूर्व से चल रहे हैं, कुछ शीघ्र ही शुरू होने हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से घरों से कचरा प्रबंधन एवं निस्तारण, सरकारी संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड, जंगलों को आग से बचाने एवं स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पिरूल का निस्तारण एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने जिलाधिकारी हरिद्वार को जनपद में सफाई के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु हरिद्वार में ही आते हैं। वहां सफाई की उचित व्यवस्था हो इसके लिए नगर निगम और हरिद्वार रूडकी विकास प्राधिकरण को मिलकर एक सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की विशेष कार्य योजना तैयार किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बजट का प्राविधान किया जाएगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री आनन्द बद्धन, श्री आर. मीनाक्षी सुन्दरम एवं श्री अरविंद सिंह ह्यांकी सहित सभी जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

देहरादून-सहारनपुर के बीच बिछेगी नई रेल लाइन, डेढ़ घंटे में पूरा होगा 3 घंटे का सफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 जून : देहरादून से सहारनपुर तक वाया मां शाकंभरी देवी मंदिर नई रेल लाइन का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा।रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे लाइन के सर्वे के लिए दो करोड़ रुपये जारी करने का ऐलान किया है। बता दें कि 2019 में इस लाइन के लिए सर्वे कर रूट निर्धारित किया जा चुका है। वह सर्वे इस बार भी काफी मददगार साबित होगा। इस नई रेल लाइन से देहरादून और सहारनपुर के बीच की दूरी करीब 42 किमी कम हो जाएगी। अभी हरिद्वार होकर जाने वाली ट्रेन सहारनपुर पहुंचने में करीब तीन घंटे का समय लेती हैं। नई रेल लाइन बनने से यह समय घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगा। वहीं, मां शाकंभरी शक्तिपीठ जाने वाले भक्तों की राह भी काफी सुगम हो जाएगी। शाकंभरी देवी मंदिर से देहरादून के बीच सघन शिवालिक पर्वतमाला है। इसके लिए पहाड़ों को काटकर टनल बनानी होगी। सहारनपुर के पिलखनी से वाया शाकंभरी देवी मंदिर देहरादून तक रेल मार्ग बनाने के लिए करीब 11 किमी लंबी टनल बनानी होगी। वहीं, करीब 106 छोटे-बड़े पुलों का निर्माण करना होगा। इसमें अंडरपास भी बनाने होंगे। सहारनपुर के पिलखनी से हर्रावाला के बीच रेल मार्ग की दूरी करीब 81 किमी होगी। इसका काम दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में पिलखनी से मां \शाकंभरी देवी मंदिर तक 40 किमी लाइन बिछाई जाएगी। दूसरे चरण में मां शाकंभरी देवी मंदिर से हर्रावाला तक 41 किमी रेल लाइन बिछेगी।

उत्तराखंड : आदि कैलाश यात्रा पर लगी रोक 30 जून तक नहीं बनेंगे इनर लाइन पास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 28 जून : लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन ने 30 जून तक आदि कैलाश यात्रा पर रोक लगा दी है। 30 जून तक एसडीएम कार्यालय से इनर लाइन परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। इसके आदेश एसडीएम धारचूला ने जारी कर दिए हैं। इधर, चीन सीमा को जोड़ने वाली तवाघाट-लिपुलेख सड़क दूसरे दिन भी बंद रही। सड़क बंद होने से व्यास वैली के सात गांवों और पर्यटकों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। इनर लाइन परमिट नहीं बनने टूर ऑपरेटर, 49 यात्री और कुमाऊं मंडल विकास निगम के 20 यात्री धारचूला में फंसे हुए हैं। मौसम विभाग और एनडीआरएफ ने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है। इसे देखते हुए आदि कैलाश, ओम पर्वत यात्रा पर फिलहाल के लिए रोक लगा दी गई है। दारमा घाटी के पंचाचूली जाने वाले यात्रियों और स्थानीय लोगों से अनावश्यक यात्रा नहीं करने की अपील की गई है। सड़क बंद होने के बाद कुमाऊं मंडल विकास निगम के 18वें दल के 20 यात्री और आदि कैलाश टूर ऑपरेटर के 49 यात्रियों का इनर लाइन पास नहीं बन पाया। आदि कैलाश टूर ऑपरेटर के संचालक नगेंद्र कुटियाल ने बताया कि उनके साथ गुजरात, अहमदाबाद, बेंगलुरु, दिल्ली, पंजाब, देहरादून और भीमताल से आए 49 यात्री आए हुए हैं। सभी दो दिनों से धारचूला में ही फंसे हैं।लखनपुर के पास बोल्डर आने और खराब मौसम के कारण बीआरओ को चीन सीमा को जोड़ने वाली तवाघाट-लिपुलेख सड़क खोलने में दिक्कत हो रही है। ये सड़क बीते दिन को तवाघाट पुल के पास बोल्डर और मलबा आने से बंद हो गई थी। दोनों जगह सड़क बंद होने से व्यास घाटी के सात गांव के लोग, सुरक्षा बलों के जवान और दर्जनों वाहन फंसे हुए हैं। तवाघाट-सोबला सड़क को हिला वेज कंपनी ने खोल दिया है जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। ये सड़क दोबारा और रोंगती नाले के उफान पर आने से बंद हो गई थी। 30 जून तक आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा पर रोक रहेगी। एसडीएम कार्यालय से इनर लाइन परमिट जारी नहीं किए जाएंगे।

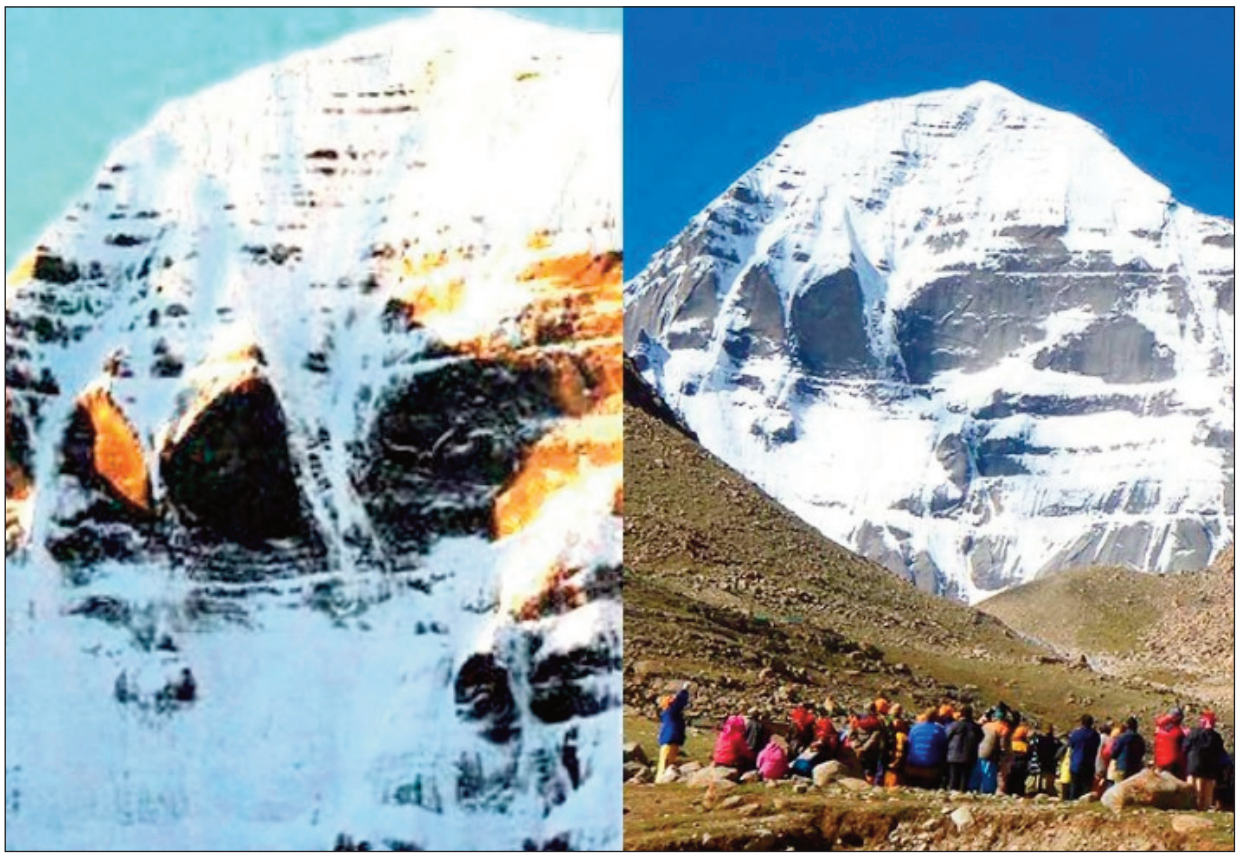

चमोली : जोशीमठ में मानसून से सहमे लोग, बड़ी आपदा के संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 28 जून : आपदा प्रभावितक्षेत्र जोशीमठ में मानसून के कारण समस्याएं उजागर हो रही हैं। दरकते हुए पहाड़ों के बीच झमाझम बरसते पानी से दिक्कतें सामने आने लगी है।यहां नालों या नालियों की मरम्मत न होने से बारिश के दौरान जमीन में पानी रिसने से भूमि व भवनों पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों की माने तो पानी रिसने से दरारें बढ़ रही हैं। आपदा प्रभावित जोशीमठ में आठ ऐसे बड़े नाले है जो नगर के पानी निकासी करते हैं। लेकिन जनवरी में आपदा के बाद से नाले हो या नालियां क्षतिग्रस्त हैं। ऐसे में इन दिनों बारिश का पानी भूमि में समा रहा है।

आपदा के बाद प्रशासन व सरकार ने इस समस्या को महत्वपूर्ण मानते हुए सुरक्षित जल निकासी को जरूरी बताया था। वैज्ञानिकों ने भी भूधंसाव में पानी व सीवर की निकासी जरूरी बताई थी। यहीं कारण है कि नगर पालिका के बजाए सिंचाई विभाग को नालों व नालियों की कार्ययोजना बनाकर इसके मरम्मत व निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी फरवरी माह में ही सिंचाई विभाग ने नगर का सर्वे कर 73 करोड़ की कार्ययोजना बनाकर जिला प्रशासन के माध्यम से शासन को भेज दी थी। मानसून से पहले ही इस कार्य को कराया जाना था लेकिन इस कार्ययोजना पर कोई धनराशि आवंटित नहीं हुई। ऐसे में मानसून में जिस प्रकार घरों के आसपास पड़ी दरारों में बारिश का पानी समा रहा है। उससे बड़े खतरे का डर सता रहा है।

उधम सिंह नगर में गुलदार का आतंक, महिला को बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उधमसिंह नगर 28 जून : उत्तराखंड में जगह जगह से गुलदार के आतंक की खबरें सामने आती जा रही हैं। अब उधम सिंह नगर में लगातार गुलदार के हमले की खबरें सामने आ रही हैं। एक घटना में जसपुर में हुई है तो दूसरी घटना बाजपुर में हुई है। जसपुर में गुलदार ने खेत में काम कर रही महिला को निवाला बना लिया। वहीं दूसरी तरफ बाजपुर में गुलदार ने चलती कार पर हमला कर लिया। पहली घटना जसपुर की है। यहां 45 वर्षीय कमलेश देवी खेत पर घास काटने आयी थी। इस दौरान महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया जिसमें महिला की मौके पर मौत हो गई। इस घटना के बाद से इलाके में खौफ पसरा हुआ है। वहीं दूसरी घटना में उधम सिंह नगर जिले के ही बाजपुर की है। यहां गुरकीरत नाम का युवक अपनी कार से अपने घर जा रहा था। अचानक उनकी कार के आगे गुलदार आ गया और हमलावर हो गया।

संक्षिप्त खबरें

जलभराव की समस्या पर विधायक काऊ ने डीएम को लिखा पत्र

देहरादून। हरिद्वार बाईपास रोड के अजबपुर खुर्द स्थित कुंजापुरी विहार में जलभराव से लोगों को दिक्कत हो रही है। इसे लेकर रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने स्थानीय विधायक को पत्र लिखने के साथ ही डीएम से भी शिकायत की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष इंदर सिंह रावत और सचिव आयुष कुकरेती ने बताया कि कॉलोनी के लेन 3 और 4 में बारिश में पानी भर रहा है। यहां लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। एसोसिएशन की शिकायत पर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने डीएम को भी पत्र लिखा है। साथ ही एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने डीएम से मुलाकात कर नालों की सफाई करवाने की मांग की है।

ब्रांडेड के नाम बेचा जा रहा था मिलावटी आटा, केस दर्ज

देहरादून। ब्रांडेड आटे को देहरादून में निम्न स्तर का आटा मिलाकर बेचा जा रहा है। कंपनी की टीम ने दून के एक सुपर स्टोर में यह मामला पकड़ा है। आरोपी स्टोर संचालक के खिलाफ मुकदमा पटेलनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सूर्यभूषण सिंह नेगी ने बताया कि आरएस रोलर फ्लोर मिल के मालिक राजकुमार मुंजाल ने शिकायत दी। बताया कि उनकी कंपनी चंदन भोग ब्रांड से आटा बेचती है। मुंजाल ने पुलिस को बताया कि उन्हें चंदन भोग के नाम से निम्न स्तर का आटा बेचे जाने की शिकायत मिली है। इस शिकायत पर उनके साथ पुलिस टीम को भेजा गया। टीम ने बंजारावाला स्थित डेली नीड दुकान पर छापा मारा गया। यहां पर 42 बैग 10-10 किलोग्राम वाले मिले। यह बैग ऐसे ही लग रहे थे जैसा कि उनकी कंपनी की पैकिंग रहती है। इन पर न तो पैकिंग की तिथि थी और न ही बैच नंबर लिखा हुआ था। इस दुकान के मालिक रविंद्र सिंह नेगी से पूछताछ की गई तो पता चला कि उन्हें यह आटा विभु गोयल सप्लाई करता है। इस मामले में रविंद्र सिंह नेगी, विभु गोयल और अन्य दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आटे के सभी बैग को कंपनी के अधिकारियों की मौजूदगी में सील कर दिया गया है।

महिला की आत्महत्या में ससुरालियों पर मुकदमा

देहरादून। विवाहित महिला की आत्महत्या मामले में सुसराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। एसओ नेहरू कॉलोनी लोकेंद्र बहुगुणा ने बताया कि बीते 25 जून को नीतू पत्नी बृज किशोर मनूडी ने आत्महत्या कर ली थी। बताया कि महिला की शादी 2009 में हुई थी। आरोप है ससुराल पक्ष के लोग उसका उत्पीडन करते थे। घटना के दिन भी ससुराल में महिला के साथ मारपीट की गई। महिला ने अपने भाई को इसकी वीडियो भेजी थी। आरोप है कि परेशान होकर उसने खुदकुशी कर ली थी। मामले में पुलिस ने जाने देने वाली के पति बृज किशोर, सास उर्मिला, बृज के भाई अवध किशोर, बहन प्रभा नौटियाल, पुष्पा ध्यानी के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। पुलिस साक्ष्य जुटाकर आरोपों की जांच कर रही है।

झूलाघर चौराहे पर इंदिरा गांधी की प्रतिमा के पास फैली गंदगी

देहरादून। शहीद स्थल झूलाघर के निकट चौराहे पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की प्रतिमा के पास गंदगी फैली है। इसे लेकर शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने यहां पर साफ सफाई करने के साथ ही सौंदर्यीकरण करने की मांग की। कहा कि अगर नगर पालिका और प्रशासन ने यहां साफ-सफाई नहीं की तो कांग्रेस आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि देश के महापुरुषों की प्रतिमाओं का रख-रखाव स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर गंदगी का अंबार लगा है। पूर्व में भी इस संबंध में स्थानीय प्रशासन को इसके रखरखाव के लिए कहा गया था। फिर भी इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

विवाह की अनोखी परंपरा! जहां लड़कियां करती हैं 4 शादी, नहीं होती कभी विधवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 जून : भारतीय समाज अपनी विविधता के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है. इसी भारतीय समाज में शादी को लेकर अनेकों परंपराएं देखने को मिलती हैं. आज हम आपको एक ऐसी अनसुनी परंपरा से रूबरू कराने वाले हैं जिसे सुनकर आप भी चौंक जाएंगे. हिमाचल प्रदेश के सांगला से 28 किमी दूर एक छितकुल नाम का गांव है, जहां पर महिलाओं को इस बात की पूरी आजादी है कि वह 4 शादियां कर सकती हैं. हैरान होने की बात नहीं है क्योंकि यह परंपरा कई सालों पुरानी है और इसी तरह से चली आ रही है.

स्थानीय लोगों की मानें तो छितकुल का खानपान, रहन-सहन, पहनावा और यहां की संस्कृति देश के बाकी हिस्सों से बहुत अलग है. छितकुल तिब्बत और चीन की सीमा के बिल्कुल नजदीक है. इस देश का आखिरी गांव भी कहा जाता है. यहां पर देश का आखिरी बस स्टैंड, आखिरी पोस्ट ऑफिस और आखिरी स्कूल भी मौजूद है. यहां पर महिलाओं को 4 शादी करने की पूरी छूट दी गई है. अक्सर यहां देखा जाता है कि महिलाएं दो या चार भाइयों से शादी करती हैं.

हालांकि, यह जरूरी नहीं है लेकिन शादी होती है तो महिला अपने सभी पतियों के साथ एक ही घर में रहती है. स्थानीय लोग मानते हैं कि महाभारत काल के दौरान इसी गांव की एक गुफा में कुंती और द्रौपदी ने वास किया था. द्रौपदी और कुंती के साथ गांव के लोगों ने भी समय बिताया जिसके बाद से 4 विवाह वाली परंपरा को उन्होंने भी अपना लिया था तब से यह परंपरा जस की तस चली आ रही है.

जब कोई एक पति पत्नी के साथ कमरे में होता है, तब वो अपनी टोपी कमरे के बाहर दरवाजे पर छोड़ देता है. इसका मतलब होता है कि पति-पत्नी एकांत में रहना चाहते हैं. इस वजह से दूसरा पति उनके माहौल में दखल नहीं देता है. सबसे अजीब बात है कि यहां पर शादी में सात फेरे नहीं लिए जाते हैं बल्कि बलि दी जाती है. आपको बता दें कि यहां पर शादी के बाद बेटियों को संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं दिया जाता है.

अजब-गजब : पान के दुकानदार ने लगाया पोस्टर 'राहुल गांधी जब तक प्रधानमंत्री नहीं बनते उधारी बंद'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 जून : एमपी अजब है सबसे गजब है. मध्य प्रदेश को यूं ही नहीं अजब-गजब कहा जाता है. बल्कि यहां आए दिन कुछ न कुछ ऐसे कारनामे होते रहते हैं. ऐसा ही एक अजब-गजब तरकीब पान के दुकानदार ने लगाया है. बता दें कि छिंदवाड़ा शहर में एक पान के कारोबारी ने पोस्टर लगाया है कि कांग्रेस नेता 'राहुल गांधी जब तक देश के प्रधानमंत्री नहीं बन जाते तब तक उधारी बंद रहेगी'. यह पोस्टर चर्चा का विषय बना हुआ है. दरअसल पूरा मामला छिन्दवाड़ा शहर के कर्बला चौक पर एक पान कारोबारी का है. जिन्होंने अपनी दुकान में बाकायदा पोस्टर पर लिखा है कि 'राहुल गांधी जब तक देश के प्रधानमंत्री नहीं बन जाते तब तक उधारी बंद रहेगी.' इसके साथ ही वो लोगों से राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की अपील भी कर रहे हैं. बता दें कि अपनी पान की शॉप पर पोस्टर लगाने वाले दुकानदार छिंदवाड़ा मोहम्मद हुसैन है. जिन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखने का सपना संजोया है और इसके लिए उन्होंने बाकायदा अपनी दुकान में साफ-साफ अक्षरों में लिखा पर्चा चिपका दिया है. मोहम्मद हुसैन राहुल गांधी से खासे प्रभावित हैं.आपको बता दें कि ये उधार में पान और अन्य सामान मांगने वालों के लिए संदेश तो है ही साथ ही मोहम्मद हुसैन चाहते हैं कि देश की बागडोर राहुल गांधी के हाथों में हो. अब ये उनका संकल्प है लिया है. इसके अलावा दुकानदार मोहम्मद हुसैन ने यह भी बताया कि लोग बार-बार उनसे उधार मांगते थे. बार-बार जब उधारी देने की मांग से वे थक गए तो उन्होंने दुकान के बाहर पोस्टर लिखवाकर चिपका लिया कि 'जब तक राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे तब तक उनकी दुकान में उधारी बंद रहेगी'. उन्होंने बताया कि एक जनवरी 2023 से पूरी तरीके से अपनी दुकान में लोगों को उधार देना बंद कर दिया है.

नौ अंकों के नंबर से कॉल आए तो सतर्क हो जाएं ऐसी कहानी सुनाकर खातों से उड़ा लेंगे रकम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 जून : अगर आपके मोबाइल में नौ अंकों के नंबर से कोई कॉल आता है, तो सावधान हो जाएं। साइबर ठगों ने ठगी का नया तरीका ईजाद किया है। पहले वे कोरियर कंपनी के कर्मचारी बनकर आपके नाम से कोई पार्सल होने की बात कहेंगे और फिर पार्सल में मादक पदार्थ होने की बात कहकर आपके खाते से जुड़ी जानकारियां लेकर खातों में रुपये जमा कराएंगे। साइबर थाना पुलिस ने लोगों से अनजान लोगों को आधार कार्ड, पैन कार्ड और खाते संबंधी जानकारियां साझा नहीं करने की अपील की है। इन दिनों साइबर ठग नौ अंकों के नंबर से लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे खुद को कोरिअर कंपनी का कर्मचारी बताते हुए चीन या किसी अन्य देश से पार्सल आने की बात कहते हैं।जब व्यक्ति की ओर से इंकार किया जाता है तो ठग पार्सल में मोबाइल नंबर लिखे होने और पार्सल में मादक पदार्थ होने की बात कहकर डराने की कोशिश करता है। इसके बाद ठग दूसरे नंबर से कस्टम या नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बनकर कॉल करता है। व्यक्ति के पार्सल को लेकर अनभिज्ञता जताने पर ठग सबूत के रूप में बैंक स्टेटमेंट और आईडी मांगता है। इसके बाद कुछ ट्रांजेक्शन संदिग्ध बताते हुए अपने खाते में रुपये डलवा देता है। साइबर थाना कुमाऊं प्रभारी ललित मोहन जोशी कहते हैं कि नौ अंक के नंबर से कोई कॉल आए तो सत्यापन जरूर कर लें। उनके पास ऐसी लिखित शिकायत नहीं आई है, मगर ठग यह तरीका भी अपना रहे हैं। अनजान कॉलर से खाता संबंधी कोई भी जानकारी साझा न करें। ऐसे मामले में तत्काल साइबर थाना पुलिस या स्थानीय पुलिस से संपर्क जरूर कर लें।

कौन हैं तस्कीन खान जो बनी मिस उत्तराखंड से 'मैडम अफसर', मेरठ से है रिश्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जून , UPSC की परीक्षा को दुनिया की सबसे टफ परीक्षाओं में से एक माना जाता है। इसे पास करने का सपना तो हर कोई देखता है लेकिन इसे पास केवल चुनिंदा लोग ही कर पाते हैं। क्योकि इसे पास करने के लिए दिन रात मेहनत करनी पड़ती है। आज हम आपको एक ऐसी ही ऐसी उम्मीदवार की सक्सेस स्टोरी बताएंगे, जिन्होंने अपना एक सपना पूरा करने के लिए अपने दूसरे सपने का त्याग कर दिया। यह कोई और नहीं पूर्व मिस उत्तराखंड तस्कीन खान है। जिन्होंने मिस इंडिया बनने का सपना देखा था।

जी हाँ सही पढ़ा आपने , तस्कीन खान पूर्व मिस उत्तराखंड रह चुकी हैं , जिन्होंने अपने प्रोफेशन से उलट 2022 में यूपीएससी

सिविल सेवा की परीक्षा क्रैक की है। हैरानी की बात ये है कि तस्कीन खान शुरू से पढ़ाई में तेज नहीं थीं। उन्हें गणित से काफी डर लगता था। हालांकि कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में तस्कीन ने साइंस स्ट्रीम से 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए थे। तस्कीन के पिता आफताब खान, मां शाहीन खान और छोटी बहन अलीजा खान मेरठ में रहते हैं. बहन मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हैं. उनकी पहली इच्छा आईएएस बनने की थी और आज वो एक मिसाल बन गयी है।

तस्कीन खान एक पेशेवर मॉडल और अभिनेत्री हैं। इसके अलावा वह एक बास्केटबॉल चैंपियन, एक राष्ट्रीय स्तर की डिबेटर भी रह चुकी हैं। तस्कीन ने स्कूल के बाद नीट में दाखिले के लिए क्वालीफाई भी किया लेकिन माता पिता इंस्टीट्यूट की फीस देने में असमर्थ थे। इस कारण वह प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिला नहीं ले पाईं।

तस्कीन खान बीएससी ग्रेजुएट हैं। उन्होंने मिस उत्तराखंड का खिताब जीता, जिससे उनकी इंस्टाग्राम पर फॉलोइंग काफी बढ़ गई। यूपीएससी की राह भी उन्हें इंस्टाग्राम फॉलोअर से मिली, जो एक आईएएस उम्मीदवार था। यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए तस्कीन मुंबई आ गईं और जामिया की मुफ्त प्रवेश परीक्षा के जरिए कोचिंग की। बाद में साल 2020 में दिल्ली चली गईं। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के बाद भी उन्होंने अधिकारी बनने का फैसला लिया और यूपीएससी 2022 की परीक्षा में ऑल इंडिया 736 वीं रैंक हासिल की।

शिफ्ट होगा देहरादून का आढ़त बाजार, MDDA ने शुरू की बड़ी तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 जून : शहर को जाम फ्री करने की दिशा में एमडीडीए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। आपको बता दें कि आढ़त बाजार शिफ्टिंग को लेकर शासन के वित्त विभाग से हरी झंडी मिल गई है। अब एमडीडीए द्वारा आढ़त बाजार शिफ्टिंग के प्रस्ताव को धामी कैबिनेट में लाने की तैयारी हो रही है। अगर इस पर कैबिनेट की मुहर लगती है तो, देहरादून शहर के लोगों के लिए ये एक बड़ा तोहफा साबित होगा। दरअसल देहरादून में सहारनपुर चौक से लेकर प्रिंस चौक तक आढ़त बाजार की वजह से भारी जाम लग जाता है।संकरी सड़क संकरी होने के साथ साथ यहां सुबह शाम कमर्शियल वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग भी होती है। इस वजह से यहां भारी जाम लग जाता है। बीते कई सालों से इस बाजार को शिफ्ट करने की कोशिशें हो रही हैं। एक बार बजट की कमी के चलते मामला खिंच गया था। अब एमडीडीए की योजना तेजी से आगे बढ़ रही है। सूत्रों के मुताबिक प्राधिकरण ने बीते दिनों इसका प्रस्ताव शासन में वित्त विभाग को भेजा था। वहां से प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। ऐसे में इस बार बजट रोड़ा नहीं बनेगा। इसलिए प्रस्ताव को कैबिनेट में रखने की तैयारी चल रही है।

60 की उम्र में भी मॉडल से कम नहीं है ये महिला, जिम में घंटों बहाती हैं पसीना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 जून : इस दुनिया में न जाने कितने लोग फिटनेस के शौकीन हैं। खुद को फिट रखने वाले लोग उम्र भी नहीं देखते। उनका बस एक ही मकसद होता है, कि अपने शरीर को एकदम फिट रखना। ऐसे लोग कई बार दूसरों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं होते। ऐसी ही कहानी एक महिला की भी है, जिसकी फिटनेस देखने के बाद लोग काफी हैरान हो रहे हैं। हैरान इसलिए क्योंकि इस महिला की उम्र 60 साल है। जी हां ! इस ढलती उम्र में भी महिला की जैसी फिटनेस है, वो काफी हैरत भरी है।जिस उम्र में लोग तरह-तरह की बीमारियों से जूझ रहे होते हैं, उस उम्र में महिला ने जिस तरह से अपने शरीर को फिट रखा है, वो काबिले-तारीफ है। ये महिला खुद को फिट रखने के लिए जिम में घंटों वर्कआउट करती है। महिला ने खुद एक इंटरव्यू में अपना फिटनेस सीक्रेट भी लोगों के साथ शेयर किया है।महिला ने बताया कि जब वो फिटनेस के प्रति आकर्षित हुई तो उनकी उम्र

38 साल थी। वो जिम और वर्कआउट जैसी चीजों के प्रति आकर्षित हुई। इसके पीछे की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। बाओ नाम की महिला ने बताया कि एक टाइम था जब उनका वजन काफी ज्यादा बढ़ गया था। उन्हें कपड़े तक फिट नहीं होते थे। इसके बाद उन्हें वेट लॉस करने की सूझी और उन्होंने एरोबिक्स क्लासेस जॉइन की।

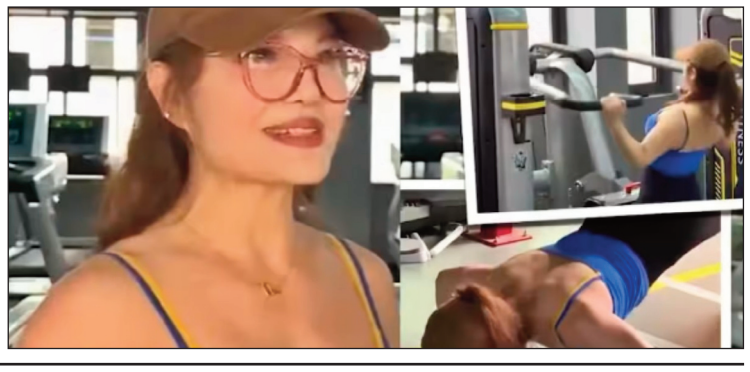

नशा तस्करों पर हरिद्वार एसएसपी अजय सिंह का कड़ा प्रहार जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 28 जून , ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025 के तहत थाना बहादराबाद पुलिस ने कुल 152 ग्राम अवैध स्मैक के साथ 2 शातिरों को किया गिरफ़्तार, नशा मुक्त भारत जन जागरूकता पखवाड़ा अभियान के तहत मिली बड़ी कामयाबी , एसएसपी हरिद्वार के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे चौपाल का हुआ असर, मिली सूचना , पकड़े गए नशा तस्करवरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के ऑपरेशन मर्यादा व ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025 के तहत जनपद हरिद्वार को नशा मुक्त करने व अवैध शराब/स्मैक/चरस आदि तस्करो के विरूद्ध हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना बहादराबाद पुलिस द्वारा नाजिम और रेहान को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया कि वे दोनों स्मैक पीने के आदी है तथा बरेली/ शाहजहापुर से स्मेक लाकर यहां फुटकर में भेज देते हैं जिससे अपने पीने का शौक भी पूरा हो जाता है और अच्छी कमाई भी हो जाती है जिनके विरूद्ध थाना बहादराबाद में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया।बरेली में स्मैक किससे लाए थे और यहां किसको देनी थी उसके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है ।।अभियुक्तगण के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

ईद-उल-अजा/बकरीद पर पुलिस विभाग ने की भाईचारे की अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 जून , ईद-उल-अजा/बकरीद त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पूर्व निर्देशों के क्रम में थाना सेलाकुई में थानाध्यक्ष सेलाकुई द्वारा एक गोष्ठी आहूत की गई। जिसमें सभी समुदायों के व्यक्तियों तथा हिंदू मुस्लिम संगठनों से जुड़े लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया। गोष्ठी में उपस्थित सदस्यों को ईद-उल-अजा/बकरीद त्यौहार को शांति एंव सौहार्द पूर्वक मनाने की अपील की गई । सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से किसी धर्म विशेष के प्रति किसी भी प्रकार की प्रतिकूल टिप्पणी न करने तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 का अक्षरशः अनुपालन करने हेतु हिदायद दी गई। त्यौहार के दौरान सभी समुदायों से पुलिस को अपेक्षित सहयोग करने की अपील की गई। सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार भी भ्रामक, काल्पनिक सूचनाओं के प्रेषण से परहेज कहने की हिदायत दी गई। परम्परागत तरीके से त्यौहार को मनाने हेतु अपील की गई।

कुर्बानी बन्द स्थान पर करने तथा कुर्बानी के पश्चात अवशेषों को बापर्दा ले जाने एवं निर्धारित स्थान पर नष्ट करने की हिदायत दी गई। बेठक में मोजुद विभिन्न मस्जिदों के मोलवियो/मुफ़्तियों द्वारा बताया गया कि ईद के दिन वो ईद उल अज़हा की नमाज़ में भी बली के दोरान सफ़ाई तथा पर्दा करने व वीडियोग्राफी ना करने तथा कोई भी ऐसा कार्य ना करने जिससे दूसरे समुदाय की भावनायें आहत हो हेतु मस्जिद से ऐलान करेंगे । त्योहार हेतु सभी धर्म संप्रदायों के लोगों व धार्मिक संगठनों द्वारा शान्ति व सहयोग का आश्वासन दिया गया।

संपादकीय

मानसून की घंटियां

पहाड़ों पर चैन का अभिलषित व्याकरण पैदा ही नहीं हुआ और न ही विकास इसका पर्यायवाची ढांचा पाया। यह सूचना ही काफी है कि हिमाचल को हर साल बरसात के महीनों को लांघना सबसे बड़ी परीक्षा है। फिलहाल विकास का ऐसा कोई मॉडल नहीं, जो इंतजामों को पुख्ता कर दे। पहले बादल पहाड़ से टकरा कर नदी, नाले या प्राकृतिक निकासी में बहकर निकल जाते थे, लेकिन अब हर बरसात बहते आंसुओं की निशानी भी छोड़ जाती है। पहाड़ अब एक महीना नहीं, साल भर चलने का कारवां है, इसलिए मौसम से लड़ता आधुनिक इतिहास की शिकायत करता है। अभी मानसून ने घंटी भी नहीं बजाई कि भारी बारिश में मकान गिरने लगे, विकास का सीमेंट सरिया ढहने लगा और जनजीवन असामान्य होने लगा है। हर बार पर्यटक सीजन का बरसात से मिलन इस कद्र कराह जाता कि सुरक्षा के लिहाज से सैलानी भी कांप जाते। कुछ अनहोनियों के बीच बरसात की शहादत में हमारी व्यवस्था के पहरे उजड़ गए। यह बाढ़ का मंजर है या जल निकासी की घुटन कि चंद घंटों की बारिश ने मौसम की विकरालता को पेश करते हुए 102 करोड़ लील दिए। पहले बारिश के साथ जीते थे, अब बरसात के खिलाफ जीने के कारण हर बूंद का अपना दरिया है। हर बूंद का अपना हिसाब है। कहीं बादलों की ओट से फिर समुद्र निकल आया। भागती जिंदगी के बीच मानसून की दस्तक अगर इतनी घातक है, तो इस दर्द को समझे बिना दवा नहीं मिलेगी। हिमाचल के वही रास्ते क्यों टूटे जहां विकास चल रहा था। विकास को फुर्सत नहीं और जल निकास को सोहबत नहीं। कहीं डंगे गिरे तो इसके साथ विकास के वे मंच भी ध्वस्त हुए, जिनके ऊपर एक हसरत भरे हिमाचल को बार-बार मापा जाता रहा है। क्या बरसात हमारे खोट को छुपाने का दरिया है या पाप को बहाने का जरिया है। हर साल तबाही के आलम की रिपोर्ट बन जाती है, लेकिन इस बर्बादी से सबक कौन लेता। न जनता और न ही सरकार। कुल्लू के मौहल में खड्ड हर बार फुंफकारे मारती हुई सामने खड़ी हर बाधा को साफ कर देती है। इस बार कई वाहन निकल लिए, तो कहीं ऐसे ही मंजर में जोगिंद्रनगर संपर्क मार्ग के पुल ने प्राण त्याग दिए। इस बीच पुलियों का ढहना आधुनिक विकास की सर्कस सरीखा हो गया। सार्वजनिक निर्माण के रेत और सीमेंट के बीच इतना भी तालमेल नहीं कि ये बरसात का मुकाबला कर सकें। अब बाढ़ की गंगा में सरकारी निर्माण अपने हाथ धोने लगा है। बहरहाल त्रासदी सिर्फ नाम की नहीं, हर साल अपने काम की भी है। हमारा ढांचा अगर बार-बार एक ही जगह टूट रहा है, तो मौसम से जिरह क्यों करें।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

अचानक क्यों 100 रूपये के पार पहुँच गयी टमाटर की कीमत ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 जून , स्पेन के वैलेंसिया में ला टोमाटिना नाम का फेस्टिवल मनाया जाता है, जिसमें भाग लेने वाले एक-दूसरे पर टमाटर फेंकते हैं। टमाटर की यह फाइट सिर्फ और सिर्फ मनोरंजन के लिए होता है, जिसमें लाखों टन टमाटर बर्बाद हो जाता है। लेकिन इस वक्त भारत में आप ऐसे फेस्टिवल की कल्पना तक नहीं कर सकते क्योंकि यहां टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। कुछ सप्ताह पहले तक 30 से 40 रुपए प्रतिकिलो बिकने वाला टमाटर इस वक्त 100 रुपए प्रति किलो के भाव में बिक रहा है। अकेले कर्नाटक में इसकी कीमत 200 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है।

टमाटर किसानों की मानें तो पिछले साल की तुलना में इस वर्ष टमाटर की कीमत इसलिए ज्यादा है क्योंकि बुवाई कम हुई है। पिछले साल बीन्स की कीमतें आसमान पर पहुंच गई थी जिसकी वजह से किसानों ने टमाटर की जगह बीन्स की खेती ज्यादा की है। कमजोर मानसून दूसरा कारण बना जिसकी वजह से टमाटर की फसलें सूख गईं। माना जा रहा है कि इस साल टमाटर की पैदावार से 50 से 70 फीसदी तक की कमी आई है, जिसके कारण कीमतों में अचानक उछाल आ गया है।

एक महीने पहले यानि मई में टमाटर की कीमत 3 से 5 रुपए प्रति किलो थोक भाव में बिक रहा था जबकि इसकी खुदरा कीमतें करीब 20 रुपए प्रति किलो रहीं। रेट गिरने कारण किसानों ने ट्रैक्टर चलाकर टमाटर को नष्ट कर दिया। महाराष्ट्र आदि में टमाटर की पूर्ति के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बांग्लादेश से भी टमाटर मंगाया जा रहा है। हालांकि मध्य प्रदेश के नीमच में टमाटर अभी भी 10 रुपए किलो बिक रहा है जबकि देश के बाकी हिस्सों में इसकी कीमत 100 रुपए को भी पार कर गई है।

पेशाब और पसीने के नमकीन पानी को पियेगा इंसान : नासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जून , अंतरिक्ष से जुड़ी खोजों के लिए अंतरिक्ष यात्री महीनों तक अंतरिक्ष में रहते हैं और यहां उनके भोजन और पानी का इंतजाम एक बड़ी चुनौती है। एक तरफ अंतरिक्ष एजेंसियां अंतरिक्ष यात्रियों को ताजा भोजन उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही हैं और दूसरी तरफ पानी की समस्या को हल करने में भी लगी हैं। अब नासा ने एक टेक्नोलॉजी तैयार की है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा लाए जाने वाले कुल पानी का 98 प्रतिशत रिसाइकिल किया जा रहा है।

सांसों और पसीने की नमी को बनाया जाता है पानी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इस सप्ताहस्पेस डॉट कॉम को बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (ISS) का एन्वायरमेंटल कंट्रोल और लाइफ सपोर्ट सिस्टम (ECLSS) स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों के 98 प्रतिशत पेशाब और पसीने को रिसाइकिल कर पीने योग्य पानी में बदल रहा है। ECLSS का एक हिस्सा अंतरिक्ष स्टेशन के कर्मचारियों की सांसों और पसीने की नमी को पकड़ने के लिए ₹एडवांस डीह्यूमिडिफायर₹ का उपयोग करता है।

एक अन्य सिस्टम, जिसे काल्पनिक नाम ₹यूरिन प्रोसेसर असेंबली₹ दिया गया है, वैक्यूम डिस्टिलेशन के जरिए अंतरिक्ष यात्रियों के पेशाब को इकट्ठा करता है।नासा के अनुसार, डिस्टिलेशन प्रक्रिया से पेशाब का नमकीन पानी निकल जाता है और उसमें फिर से पीने योग्य H_2O होता है। नासा ने जिस नए उपकरण या सिस्टम का परीक्षण शुरू किया गया है, वह नमकीन पानी में बचा हुआ पानी निकाल सकता है।

98 प्रतिशत पानी को दोबारा प्राप्त करने में सफलता मिली

इस सिस्टम से नासा ने ISS पर 98 प्रतिशत पानी को रिकवर या दोबारा प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। इससे पहले अभी तक सिर्फ 93 से 94 प्रतिशत पानी ही रिसाइकिल किया जा रहा था। ISS के लाइफ सपोर्ट सिस्टम का प्रबंधन करने वाली टीम के क्रिस्टोफर ब्राउन ने कहा कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम के विकास में यह एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मान लीजिए स्टेशन पर 100 पाउंड पानी इकट्ठा होता है और उसमें से 2 पाउंड पानी नहीं भी रिसाइकिल हुआ और 98 प्रतिशत पानी इस सिस्टम के जरिए बार-बार इस्तेमाल हो रहा है तो यह एक बड़ी उपलब्धि है।

कई लोगों के मन में पेशाब और पसीने को रिसाइकिल करके पीने की बात पर तरह-तरह के विचार आ रहे होंगे। इसके जवाब में नासा के ECLSS वाटर सबसिस्टम मैनेजर जिल विलियम्सन ने कहा कि इसकी प्रोसेसिंग मूल रूप से उसी तरह है, जैसे धरती पर कई जगह पानी की प्रोसेसिंग करने वाला सिस्टम काम करता है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्री पेशाब नहीं बल्कि वो धरती पर पिए जाने वाले पानी से भी अधिक साफ पानी पी रहे हैं।

पानी की उपलब्धता से बढ़ेगी ये सुविधा

विलियम्सन के अनुसार, ECLSS जैसे सिस्टम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि नासा अंतरिक्ष से जुड़े कई मिशन संचालित करती है। उनके मुताबिक, ₹जितना कम पानी और ऑक्सीजन हमें अंतरिक्ष यात्रियों के साथ भेजना होगा उतने ही अधिक वैज्ञानिक उपकरण लॉन्च व्हीकल में जोड़े जा सकते हैं।₹ उनके मुताबिक, विश्वसनीय रीजनरेटिव या रिसाइकिल सिस्टम का मतलब है कि अंतरिक्ष यात्रियों को इस बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है और वे अपने मिशन पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

उत्तराखंड में घूमने से पहले पढ़ लीजिए वेदर अपडेट, कहीं मुश्किल में न फंस जाएं आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 28 जून : उत्तराखंड में मानसूनी बारिश का कहर जारी है। भारी बारिश के चलते कई जगह भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते सड़कें बंद हैं। कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। नदियों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है। आज भी बारिश से राहत नहीं मिलेगी। बीते दिन प्रदेश के 8 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी हुआ है, उनमें नैनीताल, चंपावत, टिहरी, पौड़ी, देहरादून, हरिद्वार, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जैसे जिले शामिल हैं। यहां कहीं-कहीं तेज गर्जन के साथ बारिश हो सकती है।

अन्य जिलों में भी राहत नहीं मिलेगी। यहां आकाशीय बिजली चमकने और तेज बौछार पड़ने की संभावना जताई गई है। संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। बीते दिन कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। इससे प्रदेश में 43 सड़कें बंद हो गईं। सोमवार शाम तक मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में छोटी-बड़ी 43 सड़कें बंद थीं। इनमें तीन स्टेट हाईवे, दो मुख्य जिला मार्ग, एक अन्य जिला मार्ग और 37 ग्रामीण सड़कें शामिल थीं। सड़कों को खोलने के लिए 51 जेसीबी को लगाया गया है। लोनिवि अधिकारियों ने कहा कि सड़कों को खोलने के काम में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी, जो अधिकारी-कर्मचारी इस काम में लापरवाही बरतेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर भारी बारिश को देखते हुए केदारनाथ धाम की यात्रा पर फिलहाल रोक लगाई गई है। मौसम विभाग ने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है। खतरे को ध्यान में रखते हुए आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा भी रोक दी गई है।

तबादला एक्ट के तहत 15 फीसदी पात्र चिकित्सकों के तबादले करने की मांग

देहरादून। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ के डॉक्टरों ने सरकार से तबादला एक्ट के तहत सभी 15 प्रतिशत पात्र चिकित्सकों के तबादले करने की मांग की है। इसके साथ ही डॉक्टरों ने पीजी की पढ़ाई कर रहे डॉक्टरों को पूरा वेतन देने व मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टरों की भांति पचास फीसदी अतिरिक्त वेतन देने की मांग उठाई। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ की प्रदेश कार्यकारणी की मंगलवार को बैठक हुई। इस दौरान डॉक्टरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा. मनोज वर्मा ने इस बात पर नाराजगी जताई कि सरकार ने उनकी मांगों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो डॉक्टरों को आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। वर्मा ने कहा कि सरकार ने एक्ट के तहत महज पांच प्रतिशत डॉक्टरों के ही तबादले किए हैं। उन्होंने कहा कि एक्ट के तहत सभी पात्र 15 प्रतिशत डॉक्टरों के ट्रांसफर हों। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी को पर्वतीय क्षेत्रों में पचास फीसदी अतिरिक्त वेतन वाली व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों के लिए भी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीडीएस डॉक्टरों को भी बीस प्रतिशत अधिक वेतन दिया जाए। उन्होंने डॉक्टरों को डीएसपी का लाभ देने, एसीआर की प्रक्रिया को व्यवहारिक व सरल बनाने, एसीआर के नए प्रपत्र को स्वीकार न करने, डेंटर कैडर के डॉक्टरों का अधिसंख्य पदों पर समायोजन करने की भी मांग की। इस दौरान संघ ने वरिष्ठ डॉक्टरों को सम्मान दिए जाने का भी मुद्दा उठाया।

संक्षिप्त खबरें

अंतिम व्यक्ति को मिल रहा योजनाओं का लाभ : निशंक

देहरादून। पूर्व सीएम एवं हरिद्वार सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने धर्मपुर मंडल के बूथ संख्या 159 पर कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी का संबोधन सुना। इस मौके पर डा. निशंक ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में चलाई जा रही योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र में हुआ है। कहा कि एक-एक बूथ पर कई-कई लोग इन योजनाओं से लाभांवति हुए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम के नेतृत्व में देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का जो संकल्प नौ साल पहले लिया गया था, आज उसके सुफल परिणाम सामने आने लगे हैं। डा. निशंक ने महाजनसंपर्क अभियान के तहत विशिष्टजनों से मुलाकात की। उन्हें केंद्र सरकार की नीतियों से अवगत कराया, साथ ही सरकार की योजनाओं से किस तरह से बदलाव समाज में आ रहा है, इस पर चर्चा की।

सरकारी जमीन से तीन दिन में अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम

देहरादून। नगर निगम की टीम मंगलवार को शिकायत मिलने के बाद किशननगर वार्ड के सिरमौर मार्ग निरीक्षण करने के लिए पहुंची थी। इस दौरान मौके पर छोटी बिंदाल नदी से लगी निगम की करीब आधा बीघा जमीन पर दो अवैध झुग्गी झोंपडियों में रह रहे परिवारों को तीन दिन के भीतर सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया गया। मौके पर निगम के स्वामित्व का बोर्ड भी लगाया गया है। इस दौरान पार्षद नंदनी शर्मा, यशवीर चौहान, राजीव आदि मौजूद थे।

नालों का पानी सडक़ पर आने से व्यापारी परेशान

देहरादून। कैंट क्षेत्र प्रेमनगर बाजार के व्यापारी नालों का गंदा पानी दुकानों के बाहर सडक़ पर आने से परेशान हो गए हैं। प्रेमनगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजीव पुंज, दुकानदार कुनाल ग्रोवर, रविंद्र खालसा, मोहित ग्रोवर, सन्नी कुमार, योगेश नागपाल आदि ने कहा कि नालों की सफाई लंबे समय से नहीं हुई है। जिसके चलते ये नाले कई जगह चोक हो गए हैं। रोजाना प्रेमनगर चौक पर नाले का गंदा पानी बहने और जलभराव से दुकानदारों एवं ग्राहकों को परेशानियां हो रही है। उन्होंने कैंट बोर्ड से तत्काल नाले की सफाई कराने की मांग की।

बारिश से मसूरी में जनजीवन प्रभावित

देहरादून। मसूरी में मंगलवार दोपहर बाद तीन बजे से तेज बारिश हुई। इससे शहर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। माल रोड पर जगह-जगह पानी एकत्रित होने से लोगों को पैदल चलने में भी दिक्कत हुई। यहां माल रोड पर इतना पानी भर गया कि वाहनों के चलने से छीटें दुकानों के अंदर तक गिर रहे थे। स्थानीय दुकानदार प्रताप पंवार ने बताया कि बारिश के कारण माल रोड पर जमा पानी की वजह से दुकानों में रखा सामान भी खराब हो गया। वहीं, इस मौके पर रोहतक हरियाणा से मसूरी घूमने आए पर्यटक जसविंदर व बलजिंदर ने बताया कि वे सुबह मसूरी पहुंचे थे। शाम को बारिश के कारण काफी दिक्कत हुई। पैदल चलना काफी मुश्किल हो गया। बारिश होने से पर्यटक स्थलों के साथ ही माल रोड पर भी बहुत कम पर्यटक नजर आए अधिकांश पर्यटक होटलों की ओर लौट गए।